मैसर्स गोलचा प्रापर्टीज (प्राइवेट) लिमिटेड

1302. **श्री हुकम चन्द कछवाय :**
श्री जगन्नाथ राव जोशी :

क्या औद्योगिक विकास तथा समवाय-कार्य मंत्री 31 मार्च, 1967 के अतारांकित प्रश्न संख्या 255 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मेसर्स गोलचा प्रापर्टीज़ (प्राइवेट) लिमिटेड दिल्ली के लेनदारों के संबंध में जो मामला राजस्थान उच्च न्यायालय के समक्ष विचाराधीन था और जिसकी सुनवाई 4 अप्रैल, 1967 को होनी थी, क्या उस के बारे में इस बीच उस न्यायालय ने कोई निर्णय दे दिया है ; और

(ख) यदि हां, तो क्या निर्णय लिया गया है ?

औद्योगिक विकास तथा समवाय-कार्य मंत्री (श्री फखरुद्दीन अली अहमद) : (क) और (ख). सुनवाई, जो 4 अप्रैल 1967 को निश्चित की थी, 17 अप्रैल, तथा पुन: 27 अप्रैल को स्थगित कर दी गई। कम्पनी ने, कम्पनी अधिनियम की धारा 391 के अन्तर्गत संशोधित योजना मिसिल कर दी। पक्षों की सुनवाई, करने के के पश्चात्, माननीय उच्च न्यायालय ने आपत्तियां मिसिल करने के लिये 3 मई, तक की अवधि का आदेश दे दिया। 3 मई, 1967 को न्यायालय ने, संशोधित योजना पर विचार करने तथा अनुमोदन करने के लिये, कम्पनी के पंजीकृत कार्यालय, जयपुर, में 28 जून, 1967 को कम्पनी के लेनदारों की एक मीटिंग संयोजन करने का आदेश पारित कर दिया।

भोजन यान के साथ चलने वाले कर्मचारी

1303. **श्री हुकम चन्द कछवाय :**
श्री राम सिंह अग्रवाल :

क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पश्चिम और मध्य रेलवे की अप और डाउन एक्सप्रेस गाड़ियों में भोजन कारों के साथ चलने वाले बैरों, शन्टरों, चेकरों, मैनेजरों आदि कर्मचारियों को 25 से 30 घंटे तक लगातार कार्य करना पड़ता है ;

(ख) क्या यह भी सच है कि इन कर्मचारियों को कार्य के घंटों के दौरान कोई राहत अथवा विश्राम नहीं दिया जाता है ;

(ग) यदि हां, तो इन गाड़ियों में साथ चलने वाले कितने कर्मचारी हैं; और

(घ) इस सम्बन्ध में सरकार ने क्या कार्यवाही की है ?

रेलवे मंत्री (श्री के० मु० पुनाचा) : (क) से (घ). सूचना मंगायी जा रही है और सभा पटल पर रख दी जायेगी।

बिहार सरकार द्वारा केन्द्र को खनिजों की सप्लाई

1304. **श्री हुकम चन्द कछवाय :**
श्री राम सिंह अग्रवाल :
श्री जगन्नाथ राव जोशी :

क्या इस्पात, खान तथा धातु मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि बिहार के खाद्य मंत्री ने कहा है कि यदि केन्द्रीय सरकार ने उन्हें दूसरे राज्यों से अन्न मंगाने की अनुमति नहीं दी तो (जैसा कि 1 अप्रैल, 1967 के नवभारत टाईम्स में छपा है) वे केन्द्रीय सरकार को खनिज पदार्थ भेजना बन्द कर देंगे ; और

(ख) यदि हां, तो सरकार की इस सम्बन्ध में क्या प्रतिक्रिया है ?

इस्पात, खान तथा धातु मंत्री (डा० चन्ना रेड्डी) : (क) केन्द्रीय सरकार के पास इस विषय में कोई सूचना नहीं है ।

(ख) प्रश्न उत्पन्न नहीं होता ।

Pig Iron Plant in Haryana

1305. Shri Ram Kishan Gupta:
Shrimati Jyotsna Chanda:

Will the Minister of Steel, Mines and Metals be pleased to state:

(a) the progress made so far in the setting up of pig iron plant in Haryana; and

(b) the time by which it will be commissioned?

The Minister of Steel, Mines and Metals (Dr. Chenna Reddy): (a) and (b). The Letter of Intent stands extended upto the 31st October, 1967. In line with the general decision taken by Government, the project authorities have been advised to procure equipment indigenously. Proposal are awaited.

Mineral Survey in Haryana

1306. Shri Ram Kishan Gupta: Will the Minister of Steel, Mines and Metals be pleased to state:

(a) whether a scheme for mineral survey in Haryana State has been finalised; and

(b) if so, the details thereof?

The Minister of Steel, Mines and Metals (Dr. Chenna Reddy): (a) and (b). A general geological survey and preliminary mineral assessment of the State has almost been completed and this has brought to light some minerals, of which iron ores and limestone are of economic importance. Calcite, copper ores, felspar, clays, slates, quartz and glass sands, garnets and salt petre are also recorded in this state. Further detailed investigation by drilling for iron ore in Mohindergarh is in progress.

Indian Oxygen Ltd., Calcutta

1307. Dr. Ranen Sen:
Shri Dhireswar Kalita:

Will the Minister of Industrial Development and Company Affairs be pleased to state:

(a) whether organisations of employees of the Indian Oxygen Ltd., Calcutta, have urged Government to nationalise the company, in view of the strategic importance of this industry from the point of national defence; and

(b) if so, whether any action is proposed to be taken in this regard?

The Minister of Industrial Development and Company Affairs (Shri F. A. Ahmed): (a) A suggestion for nationalisation of M/s. Indian Oxygen Ltd. was received from All Indian Oxygen & Acetylene Employees' Federation.

(b) No, Sir.

Utilisation of Capacity of Private Sector Steel Plants

1308. Shri Dhireswar Kalita:
Dr. Ranen Sen:

Will the Minister of Steel, Mines and Metals be pleased to state:

(a) whether the utilisation of capacity in the private sector steel plants in the last three years has improved or declined;

(b) the percentage of utilisation of capacity during the last five years, plant-wise; and

(c) the extent to which the under utilisation of capacity has affected the cost of production of steel in the country?